

सिटी सक्षिप्त समाचार

जिले में 15 सितम्बर तक साक्षरता पखवाड़ा का किया जा रहा आयोजन

बलरामपुर। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले में साक्षरता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन-जन को साक्षर बनाना है। इसी कड़ी में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा 08 सितम्बर 2026 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 01 से 15 सितम्बर तक पूरे देश में साक्षरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिले में तिथिवार गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इस अभियान का लक्ष्य 15 वर्ष से अधिक आयु के उन वयस्कों को सशक्त बनाना है, जिन्होंने विद्यालयीन शिक्षा प्राप्त नहीं की है।उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान आकलन परीक्षा सितम्बर के अंतिम सप्ताह में आयोजित किए जाने की संभावना है। सर्वे के अनुसार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में असाक्षरों की कुल संख्या 6250 है, जिनमें 3750 महिलाएं तथा 2500 पुरुष पंजीकृत हैं। महापरीक्षा अभियान में सम्मिलित होने वाले इन असाक्षर परीक्षार्थियों की तैयारी हेतु जिले में उल्लास केन्द्रों का सतत संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनीटरिंग भी की जा रही है।

मिनीमाता सम्मान, माता बहादुर कलारिन सम्मान और वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार के लिए 25 सितम्बर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

रायगढ़। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के उत्थान, साहस, संघर्ष और समाज के प्रति उल्लेखनीय योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 के लिए तीन प्रतिष्ठित महिला सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। इनमें मिनीमाता सम्मान (महिला उत्थान), माता बहादुर कलारिन सम्मान तथा वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार शामिल हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मिनीमाता सम्मान (महिला उत्थान) विशेष रूप से अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग अथवा अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं अशासबल को संशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला को प्रदान किया जाएगा। माता बहादुर कलारिन सम्मान महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफसंघर्ष तथा नारी उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को दिया जाएगा। वहीं वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वीरता, शौर्य, साहस तथा महिलाओं में आत्मबल को सशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला को प्रदान किया जाएगा। इसके तहत एक महिला को 2 लाख रुपये की राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन 25 सितंबर 2026 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, रायगढ़ (छ.ग.) पिन नंबर 496001 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

दोस्ती के रिश्ते हुए शर्मसार: उधारी के विवाद में दोस्त बना हत्यारा प्रॉपर्टी डीलर की डंडे से पीटकर हत्या

राजनांदागांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदागांव में दोस्ती के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक प्रॉपर्टी डीलर की उसके ही दोस्त ने हत्या कर दी। दोनों के बीच उधार के पैसों और प्रॉपर्टी से जुड़े लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी ने पहले फोन कर दोस्त को अपने किराए के मकान पर बुलाया और फिर विवाद बढ़ने पर डंडे से हमला कर उसकी जान ले ली। वारदात के बाद आरोपी ने शव को चादर में लपेटकर कमरे में छिपा दिया और बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे का ताला तोड़ा तो अंदर प्रॉपर्टी डीलर का शव बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला चिखली चौकी क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, मोतीपुर रामनगर निवासी अर्जुन वाधवानी (30) प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। बुधवार रात 2 सितंबर को उसके दोस्त सुनील वर्मा (30) ने फोन कर उसे अपने किराए के मकान पर बुलाया था। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से पैसों के लेनदेन और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि अर्जुन ने सुनील की बाइक अपने पास रख



ली थी। इसी बात को लेकर भी दोनों के बीच तनाव था। बुधवार रात कमरे में बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर सुनील ने डंडे से अर्जुन पर हमला कर दिया। हमले में अर्जुन के सिर पर गंभीर चोट लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की। उसने अर्जुन के शव को बेडशीट में लपेटकर कमरे के अंदर रख दिया और बाहर से ताला लगाकर वहां से निकल गया। बताया जा रहा है कि आरोपी शव को ठिकाने लगाने की योजना बना रहा था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस को मामले की जानकारी मिल गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके

पर पहुंची। मकान बाहर से बंद था। पुलिस जब कमरे का ताला खोलने लगी तो आरोपी सुनील ने इसका विरोध किया। उसने पुलिस को गुमराह करते हुए कहा कि कमरे के अंदर कुछ नहीं है। लेकिन पुलिस को उसकी बातों पर शक हुआ। इसके बाद पुलिस ने ताला तोड़कर कमरे के अंदर प्रवेश किया तो वहां अर्जुन का शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से खून के निशान, फिंगरप्रिंट और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। इसके अलावा क्राइम और साइबर टीम भी मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजनांदागांव के एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर ने बताया कि शुरुआती जांच में मृतक और आरोपी के बीच उधारी, प्रॉपर्टी डीलिंग और बाइक को लेकर विवाद की जानकारी सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि इन्हीं विवादों के चलते हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। पिछ्हाल आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जल संरक्षण में सूरजपुर का ऐतिहासिक प्रदर्शन- देश में चौथा और छत्तीसगढ़ में मिला पहला स्थान

रायपुर। जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता की अमिट छाप छोड़ी है। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित ‘जल संचय जन भागीदारी’ अभियान के तीसरे चरण के तहत सूरजपुर ने देश भर में चौथा स्थान और राज्य में पहला स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

नई दिल्ली स्थित सुष्मा स्वराज भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सूरजपुर मॉडल की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में जल संरक्षण को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रखकर इसे किसान, ग्राम पंचायत, जल सखी और जल मित्र के सहयोग से एक जनांदोलन का रूप दिया गया है।



‘जल संरक्षण अभियान के प्रमुख आकड़े’

निर्मित संरचनाएं 5,429 (अमृत सरोवर, तालाब गहरीकरण, फर्म पॉन्ड, रिसर्ज पिट, कंट्रूर ट्रेंच और ग्रेबियन चेक डैम) निर्मित की गई। इनकी जल भराव क्षमता 94.89 लाख घन मीटर है। इससे सिंचित रकबे में बढ़ोतरी 5,608.26 हेक्टेयर की हुई। सभी जल संरचनाओं की जियो-टैगिंग और नियमित समीक्षा की जा रही है।

प्रशासनिक प्रयास’

कलेक्टर सूरजपुर रेना जमील ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिले के ग्रामीणों और किसानों ने अपनी भूमि उपलब्ध कराकर और श्रमदान देकर इस अभियान को सफल बनाया है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि प्रधानमंत्री के कैच द रेन – जहां जल गिरे, वहीं सहेजें के संदेश को धरातल पर उतारते हुए पंचायत स्तर पर जल सुरक्षा और सिंचाई सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण आजीविका में प्रत्यक्ष सुधार आ रहा है।

3

रायगढ़ की बदलेगी तस्वीर: विकास परियोजनाओं का वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने किया मैराथन निरीक्षण रिंग रोड, पुल, मरीन ड्राइव, ऑक्सीजोन और आधुनिक अधोसंरचना परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश

रायगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में रायगढ़ को आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने शुक्रवार को शहर की प्रमुख विकास परियोजनाओं का मैराथन निरीक्षण किया। उन्होंने ऑक्सीजोन, पुल, कैलो रिवर प्रंट, मरीन ड्राइव, नालंदा परिसर, खेल एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं का जायजा लेते हुए गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने दूध डेयरी ऑक्सीजोन से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने गोवर्धनपुर में कैलो नदी पर निर्माणाधीन पुल, खरीघाट स्थित कैलो रिवर प्रंट, नालंदा परिसर, एसईसीएल रोड मरीन ड्राइव, कयाघाट पुल, मिनी स्टेडियम स्थित स्केटिंग रिंग, कौहाकुंडा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स्टेडियम और एफसीआई



ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, इंजीनियर और निर्माण एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर की अधोसंरचना को मजबूत कर लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक

परियोजना की गहन निगरानी की जा रही है, ताकि विकास कार्य तेजी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे हों। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि औद्योगिक विकास के अनुरूप रायगढ़ में जिस स्तर की अधोसंरचना विकसित होनी चाहिए थी, वह तबे समय तक अपेक्षित गति से नहीं बन पाई। इसके कारण शहर को यातायात, भारी



वाहनों, दुर्घटनाओं, धूल और प्रदूषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। अब इन चुनौतियों के स्थायी समाधान के लिए सुनियोजित तरीके से बड़े अधोसंरचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने रिंग रोड को रायगढ़ के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे

बढ़ रही है। घरघोड़ा रोड से झारसुगुड़ा रोड को जोड़ने के लिए प्रथम चरण में कार्य किया जा रहा है, जिस पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होने की संभावना है। भविष्य में रायगढ़ से घरघोड़ा तक सड़क को फेरलेन करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। आने वाले एक-दो वर्षों में रायगढ़ के विकास की तस्वीर जमीन पर स्पष्ट दिखाई देगी। हमारा प्रयास है कि शहर को बेहतर सड़क, पुल, हरित क्षेत्र, आधुनिक सार्वजनिक सुविधाएं और मजबूत अधोसंरचना मिले, जिससे नागरिकों के जीवन में व्यापक

बदलाव आए।

निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, आयुक्त नगर निगम श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी, इंजीनियर तथा संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डिजिटल युग में धमतरी की नई पहल

5 और 6 सितंबर को आयोजित होगा ‘मॉनसून क्रिएटर्स मीट-अप’

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और युवाओं की प्रतिभा को डिजिटल मंचों के जरिए वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से धमतरी जिला प्रशासन एक अनूठी पहल करने जा रहा है। (युवा स्किल अपग्रेडेशन एंड टैल्यू एडिशन) अभियान के अंतर्गत आगामी 5 और 6 सितंबर को दो दिवसीय ‘मॉनसून क्रिएटर्स मीट-अप’ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में प्रदेश भर के युवा डिजिटल क्रिएटर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और वीडियोग्राफर्स एक मंच पर एकत्र होंगे, जहां वे अपनी कला को निखारने के साथ-साथ एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकेंगे।दो दिवसीय इस समागम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जाने-पहचाने डिजिटल क्रिएटर्स हिस्सा ले रहे हैं।

स्थानीय पर्यटन और संस्कृति को मिलेगी वैश्विक

राज्यपाल के हाथों सम्मानित होंगी रायगढ़ की दो शिक्षिकाएं

नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हुआ चयन



विकसित करने का प्रयास किया। वर्ष 2013 में शासकीय प्राथमिक शाला शंकरपाली, पुसीर में स्थानांतरण के बाद उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सामुदायिक सहभागिता और नवाचार को नई दिशा दी। उनके मार्गदर्शन में सत्र 2019-20 में विद्यार्थी निखिल साहू का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण दौर में भी उन्होंने ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन माध्यमों से बच्चों की पढ़ाई जारी रखी और विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी कार्यों के लिए वर्ष 2020 में उन्हें ‘शिक्षा दूत पुरस्कार’ से भी सम्मानित किया गया। विद्यालय विकास को सामाजिक दायित्व मानते हुए उन्होंने समुदाय के सहयोग से हरित परिसर, स्वच्छता अभियान और विद्यालय उत्थान के विभिन्न कार्य किए। साथ ही

जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री भी उपलब्ध कराई। ग्रामीण क्षेत्र में पलायन जैसी चुनौतियों के बीच समुदाय को साथ लेकर बच्चों की शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रीमती ओमकुमारी पटेल वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला सेमरा, विकासखण्ड पुसीर में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं।

आरती साहू ने माताओं को विद्यालय से जोड़कर बच्चों की शिक्षा में किया सुधार

आरती साहू ने 30 जून 2009 को शिक्षक के रूप में सेवा प्रारंभ की। स्नातकोत्तर (वाणिज्य), छत्तीसगढ़ी भाषा, बी.एड. एवं केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा की योग्यता रखने वाली साहू वर्तमान में शासकीय प्राथमिक विद्यालय सेमरा में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण-अधिगम सामग्री और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को रोचक एवं नवाचारी शिक्षा प्रदान कर रही हैं। साथ ही विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराती हैं। खेलकूद, योग-व्यायाम, स्वच्छता, नैतिक शिक्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वे बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देती हैं। उनकी प्रमुख पहल में ‘माता उन्मुखी कार्य’ उल्लेखनीय है।

उफ़्नती नदी में चट्टान पर फंसे ग्रामीण का डीडीआरएफटीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

सूरजपुर में बड़ा हदसा टला

रायपुर। उफ़्नती नदियों में फंसे लोगों और ग्रामीणों के सुरक्षित रेस्क्यू के कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहाँ प्रशासन, सेना और एसडीआरएफ(SDERF/SdRF) की टीमों ने जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई। सूरजपुर जिले के ओड़गी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माढर में जिला प्रशासन और डीडीआरएफ (डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर रिसपांस फोर्स) की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति की जान बचा ली। मछली पकड़ने के दौरान उफ़्नती नदी के तेज बहाव में बहकर चट्टान पर फंसे ग्रामीण को घंटों की कड़ी मशक़त के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

‘मछली पकड़ने के दौरान बहाव की चपेट में आया ग्रामीण’- जानकारी के अनुसार, सूरजपुर जिले के ओड़गी के ग्राम माढर निवासी अशोक सोनपाकर नदी में मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और वे तेज बहाव की चपेट में आ गए। ख़ुद को संभालते हुए वे नदी के बीचों-बीच स्थित एक चट्टान पर जाकर फँस गए।



घटना की जानकारी मिलते ही भैयाथान एसडीएम ने तत्काल जिला प्रशासन को सूचित किया। ‘विपरीत परिस्थितियों में चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन’- सूचना मिलते ही जिला सेनानी संजय गुप्ता के निर्देश पर डीडीआरएफकी संयुक्त टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उफ़्नती नदी और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बचाव दल ने सज़बूझ और

सफल रेस्क्यू के बाद जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। ऐसे में जल स्रोतों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों के समीप जाने से बचें, सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासनिक अमले को सूचित करें।

ज्ञान-विज्ञान की बातें

कच्छ की खाड़ी में डॉल्फिन की मौजूदगी सबसे ज्यादा दर्ज



कच्छ की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से में किए गए एक वैज्ञानिक सर्वे में डॉल्फिन सबसे ज्यादा देखी जाने वाली समुद्री स्तनधारी जीव (मैरीन मैमल) पाई गई। शोधकर्ताओं ने अक्टूबर 2023 से फरवरी 2025 के बीच

193 डॉल्फिन के साथ 64 बार उन्हें देखे जाने की घटनाएँ दर्ज कीं। 4 सितंबर को 'राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस' से पहले जारी नतीजों में रीफ के किनारे, ज्वारीय चैनल (टाइडल चैनल), द्वीपों के किनारे और उथले तटीय पानी को खाड़ी में डॉल्फिन के लिए महत्वपूर्ण इलाकों के तौर पर पहचाना गया है।

यह सर्वे गुजरात इकोलॉजिकल एजुकेशन एंड रिसर्च फंडेशन के वैज्ञानिकों ने किया था। यह सर्वे नरारा और आस-पास के द्वीपों के आस-पास डुंगों, अन्य समुद्री स्तनधारी जीवों और समुद्री घास (सी-ग्रास) वाले इलाकों के आकलन का हिस्सा था। इस अध्ययन में मरीन नेशनल पार्क और मरीन सैंड्रूअरी के आस-पास के इलाकों को शामिल किया गया। रिपोर्ट में इन्हें देश का पहला समुद्री संरक्षित क्षेत्र बताया गया है।

कच्छ की खाड़ी को समुद्री स्तनधारी जीवों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के तौर पर भी पहचाना जाता है। यहाँ पाई जाने वाली खास प्रजातियों में इंडियन ओशन हम्पबैक डॉल्फिन (सूसा प्लंबिया) शामिल है।

अहमदाबाद चुने जाने पर बड़ा ऐलान नाव से किए गए सर्वे में समुद्री मेगाफ़ैना (बड़े समुद्री जीवों) को देखे जाने की 177 प्रमाणित घटनाएँ दर्ज की गईं, जिनमें 342 जीव शामिल थे। कुल देखे गए जीवों में डॉल्फिन की हिस्सेदारी 36.2 प्रतिशत थी, जिससे वे इस आकलन के दौरान दर्ज किया गया सबसे प्रमुख समुद्री स्तनधारी समूह बन गईं। गुजरात के वन और पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोदवाडिया ने कहा, "मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में हम अपनी प्राकृतिक विरासत की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। GEEB फंडेशन के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया यह नया अध्ययन समुद्री जैव विविधता की रक्षा के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अपनी समुद्री जैव विविधता की रक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं।" सर्वे किए गए अलग-अलग इलाकों में डॉल्फिन के देखे जाने की संख्या अलग-अलग थी। नरारा रीफ़ में सबसे ज्यादा संख्या दर्ज की गई, जहाँ 39 डॉल्फिन के साथ 14 बार उन्हें देखे जाने की घटनाएँ दर्ज की गईं। "इस सर्वे से पता चलता है कि डॉल्फिन खाड़ी (गल्फ़) के किन इलाकों का इस्तेमाल कर रही है। नरारा रीफ़ में सबसे ज्यादा, यानी 14 बार डॉल्फिन देखी गईं, जिनमें कुल 39 डॉल्फिन शामिल थीं। इसके बाद डेडेका-मुडेका आइलैंड कॉम्प्लेक्स का नंबर आता है, जहाँ 12 बार में 41 डॉल्फिन देखी गईं, जबकि पिरोटन आइलैंड पर 11 बार में 32 डॉल्फिन देखी गईं। धनी आइलैंड पर नौ बार में 28 डॉल्फिन और सिक्का के तटीय इलाकों में अठार बार में 26 डॉल्फिन देखी गईं। सर्वे की गई अन्य जगहों पर 10 बार में 27 डॉल्फिन देखी गईं," वन और पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव विनोद राव ने कहा।

दवाएं हो रहीं बेअसर, आम इन्फेक्शन भी बन रहा जानलेवा, बढ़ी टैशन

भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के खिलाफ बढ़ती बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता यानी एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ़मेडिकल रिसर्च (ICMR) से जुड़े एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरियल संक्रमण वाले मरीजों में मृत्यु का जोखिम अधिक होने के साथ इलाज का खर्च और अस्पताल में रहने की अवधि भी बढ़ सकती है।

यह अध्ययन देश के 20 टर्शियरी केयर अस्पतालों में भर्ती 1,59,336 मरीजों के डेटा पर आधारित है। अप्रैल 2022 से अप्रैल 2025 के बीच जुटाए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोध में विशेष रूप से चार प्रमुख Gram-negative बैक्टीरिया—E. coli, Klebsiella pneumoniae, Acinetobacter baumannii और Pseudomonas aeruginosa—से होने वाले संक्रमणों को देखा गया।

26 हजार से ज्यादा मरीजों में मिले चार प्रमुख बैक्टीरिया कुल मरीजों में 26,213 ऐसे थे जिनमें इन चार प्रमुख बैक्टीरिया के कारण संक्रमण पाया गया। चिंता की बात यह रही कि अध्ययन में शामिल इन संक्रमणों में 61.1 प्रतिशत कार्बापेनेम-रेजिस्टेंट पाए गए। कार्बापेनेम एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल



कई गंभीर बैक्टीरियल संक्रमणों के इलाज में किया जाता है। जब बैक्टीरिया इनके खिलाफ भी प्रतिरोधी विकसित कर लेते हैं तो डॉक्टरों के पास प्रभावी दवाओं के विकल्प सीमित हो सकते हैं। दवा-प्रतिरोधी संक्रमण में मृत्यु दर अधिक अध्ययन में एक ही बैक्टीरिया के दवा-प्रतिरोधी और दवा-संवेदनशील संक्रमण वाले मरीजों के परिणामों की तुलना की गई। Klebsiella pneumoniae के कार्बापेनेम-रेजिस्टेंट संक्रमण वाले मरीजों में मृत्यु दर 31.2 प्रतिशत रही, जबकि दवा-संवेदनशील संक्रमण में यह 23.5 प्रतिशत थी। E. coli के मामले में प्रतिरोधी संक्रमण वाले मरीजों में मृत्यु दर 24.4 प्रतिशत रही, जबकि दवा-संवेदनशील संक्रमण वाले मरीजों में यह 17.3 प्रतिशत थी।

इसी तरह Acinetobacter baumannii के प्रतिरोधी संक्रमण में मृत्यु दर 37.9 प्रतिशत और संवेदनशील संक्रमण में 32.8 प्रतिशत दर्ज की गई। Pseudomonas aeruginosa के लिए

व्यों बेअसर होने लगती हैं एंटीबायोटिक? एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का अर्थ यह नहीं है कि मरीज का शरीर दवा के प्रति प्रतिरोधी हो गया है। वास्तव में बैक्टीरिया में ऐसे बदलाव विकसित हो जाते हैं जिनके कारण पहले असरदार रही एंटीबायोटिक उन्हें खत्म नहीं कर पाती। बिना जरूरत एंटीबायोटिक लेना, डॉक्टर की सलाह के बिना दवा इस्तेमाल करना, गलत एंटीबायोटिक चुनना और संक्रमण नियंत्रण में कमियां AMR की समस्या को बढ़ा सकती हैं। सदी-जुकाम में खुद से एंटीबायोटिक लेना ठीक नहीं आम लोगों के लिए सबसे जरूरी संदेश यह है कि हर बुखार, सर्दी-जुकाम या गले की समस्या में एंटीबायोटिक जरूरी नहीं होती। कई सामान्य संक्रमण वायरस के कारण होते हैं और वायरल संक्रमणों पर एंटीबायोटिक काम नहीं करती। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक शुरू करना नुकसानदेह हो सकता है।

डॉक्टर द्वारा दवा दिए जाने पर उसे निर्धारित खुराक और अवधि के अनुसार ही लेना चाहिए। अस्पतालों में संक्रमण रोकना

भी जरूरी ICMR से जुड़ी वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्ययन की सह-लेखक डॉ. कामिनी वालिया के मुताबिक समस्या का समाधान केवल ज्यादा शक्तिशाली एंटीबायोटिक खोजने में नहीं है। संक्रमण की रोकथाम, समय पर जांच और एंटीबायोटिक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल भी जरूरी है। अस्पतालों में हाथों की स्वच्छता, उपकरणों की उचित सफाई, संक्रमण नियंत्रण और मरीजों में संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया की जल्द पहचान से दवा-प्रतिरोधी संक्रमण के प्रसार को कम करने में मदद मिल सकती है।

आम इन्फेक्शन कब बन सकता है गंभीर? E. coli और Klebsiella जैसे बैक्टीरिया पेशाब की नली, फेफड़े, घाव और रक्त सहित शरीर के अलग-अलग हिस्सों में संक्रमण पैदा कर सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि इन बैक्टीरिया से होने वाला हर संक्रमण जानलेवा है। खतरा विशेष रूप से तब बढ़ सकता है जब संक्रमण गंभीर हो, मरीज पहले से कमजोर या गंभीर रूप से बीमार हो और संक्रमण पैदा करने वाला बैक्टीरिया प्रमुख एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो। भारत के लिए बड़ी चेतावनी ICMR का अध्ययन बताता है कि एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस भविष्य का खतरा भर नहीं है बल्कि अस्पतालों में इसका प्रभाव अभी दिखाई दे रहा है।

2 साल तक अकाउंट इस्तेमाल न करने पर क्या असर पड़ता है ?

हम सभी के पास एक बैंक अकाउंट होता है जो हमने स्कूल या कॉलेज के दौरान खोला था। या जब हमारी सैलरी किसी दूसरी कंपनी के जरिए आती थी। या क्योंकि किसी दोस्त ने कहा, "बस खेल लो, कोई नुकसान नहीं है।" लेकिन सालों बाद पासबुक गायब है, अक़राई एक्सपायर हो गया है और आपने उसे कभी छुआ तक नहीं है। तो क्या होता है जब आप लंबे समय तक अपने बैंक अकाउंट का इस्तेमाल नहीं करते? क्या बैंक इसे बंद कर सकता है? क्या कोई चार्ज जमा हो रहा है? क्या आपका पैसा गायब हो जाएगा?

बैंक अकाउंट तब "इनएक्टिव" होता है जब लगातार 12 महीने तक कस्टमर की तरफसे कोई ट्रांज़ैक्शन—जैसे, डिपॉजिट, विरॉल, फंड ट्रांसफर, या इंटरनेट बैंकिंग लॉगिन नहीं हुआ हो। अगर यह 24 महीने तक इनएक्टिव रहता है तो अकाउंट को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के नियमों और दूसरे देशों के ऐसे ही नियमों के तहत कानूनी तौर पर "डॉर्मेट" माना जाता है। बैंकिंग

कई लोग नौकरी बदलने, शहर बदलने या एक से अधिक बैंक खोलने की वजह से कुछ अकाउंट लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करते। लेकिन यदि किसी बैंक खाते में लंबे समय तक कोई लेन-देन नहीं होता तो वह Inactive Account या बाद में Dormant Account की श्रेणी में आ सकता है। ऐसे में बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ता है और ग्राहकों को कई



परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

क्या होता है जब अकाउंट दो साल तक इस्तेमाल नहीं किया जाता है?

जब आपका अकाउंट डॉर्मेट मार्क हो जाता है तो बैंक कई सर्विसेज पर रोक लगा देते हैं। हो सकता है कि आप अरु से पैसे न निकाल पाएं, ऑनलाइन ट्रांज़ैक्शन के लिए पैसे न डाल पाएं या अकाउंट के बदले जारी किए

गए डेबिट कार्ड का इस्तेमाल न कर पाएं। सेविंग्स पर इंटरेस्ट अभी भी मिलता रहता है और डिविडेंड या रिफंड अभी भी क्रेडिट किए जा सकते हैं, लेकिन आप अकाउंट को तब तक एंटीबायोटिक जरूरी नहीं होती। कई सामान्य संक्रमण वायरस के कारण होते हैं और वायरल संक्रमणों पर एंटीबायोटिक काम नहीं करती। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक शुरू करना नुकसानदेह हो सकता है।

जब यह बंद हो जाता है तो क्या होता है? -आप ऑनलाइन ट्रांसफर, ATM से पैसे नहीं निकाल सकते या डेबिट कार्ड से पेमेंट नहीं कर सकते। चेक बुक इनवैलिड हो सकती है।

- बैंक अकाउंट स्टेटमेंट या SMS अलर्ट भेजना बंद कर सकते हैं।

- कुछ मामलों में अकाउंट आपके नेट बैंकिंग डैशबोर्ड से हटा दिया जाता है।

- सबसे जरूरी बात यह है कि आपको सेविंग्स या ऑटो-FD-लिवड अकाउंट जैसे कुछ अकाउंट पर कंपाउंड इंटरेस्ट मिलना बंद हो जाता है।

एक डॉर्मेट अकाउंट सिर्फ ऑपरेशनल परेशानी से ज्यादा दिक्कत पैदा कर सकता है। अकाउंट पर सभी

बकाया इस्टिमेशन, ऑटो-पेमेंट या डायरेक्ट डेबिट इनवैलिड हो जाएंगे। अगर डॉर्मेट अकाउंट में पेमेंट किया जाता है तो सैलरी, टैक्स क्रेडिट या इन्वेस्टमेंट रिटर्न जैसे जरूरी क्रेडिट छूटने का भी रिस्क रहता है। साथ ही, अगर ज्यादा समय तक इसे ठीक नहीं किया जाता है तो अनवलेन्ड बलेंस ऑटोमैटिक रूप से फंड अर्थॉरिटी, जैसे कि भारत में डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड को ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

बंद अकाउंट को फिर से एक्टिवेट कैसे करें? बंद अकाउंट को फिर से एक्टिवेट करना आम तौर पर आसान होता है, लेकिन इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। आपको पहचान और पते के सबूत के साथ ब्रांच जाना होगा और फिर से एक्टिवेट करने के लिए लिखकर रिक्वेस्ट देनी होगी। कुछ बैंक नेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग के जरिए भी रीएक्टिवेट करने की सुविधा देते हैं, अगर यह नई KYC जानकारी से जुड़ा हो। अगर यह ऑथेंटिकेट हो जाता है तो बैंक नॉर्मल एक्टिविटी फिर से शुरू कर देगा और आप अपना अकाउंट हमेशा की तरह चला सकते हैं।

2 साल तक इस्तेमाल न होने पर बैंक अकाउंट Inactive या Dormant हो सकता है, जिससे ट्रांज़ैक्शन और डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि सभी प्रक्रिया अपनाकर खाते को दोबारा सक्रिय कराया जा सकता है। बैंकिंग सुविधाओं में बाधा से बचने के लिए अपने खाते का नियमित उपयोग और समय-समय पर निगरानी करना जरूरी है।

ओला रोडस्टर X+लंबी रेंज, दमदार स्पीड और कम खर्च वाली 4 शानदार इलेक्ट्रिक बाइक्स

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। खासकर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतें, कम रनिंग कॉस्ट और मेंटेनेंस पर होने वाला कम खर्च लोगों को इलेक्ट्रिक विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। आज कई कंपनियां ऐसी इलेक्ट्रिक बाइक्स पेश कर रही हैं, जो शानदार रेंज, दमदार प्रदर्शन और आधुनिक तकनीक का बेहतरीन मेल हैं। यदि आप नई इलेक्ट्रिक बाइक खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह तुलना आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

ओला रोडस्टर X+ : सबसे ज्यादा रेंज का दम अगर आपकी प्राथमिकता लंबी दूरी तय करना है, तो ओला रोडस्टर X+ एक मजबूत विकल्प बनकर सामने आती है। यह बाइक 4.5kWh और 9.1kWh बैटरी पैक के साथ उपलब्ध है। इसका बड़ा बैटरी वेरिएंट एक बार फुल चार्ज होने पर 501 किलोमीटर (IDC) तक की रेंज देने का दावा करता है। इसमें 11kW की पीक मोटर दी गई है, जो केवल 2.7 सेकंड में 0 से 40 किमी/घंटा की रफ्तार हासिल कर लेती है। इसकी अधिकतम गति 125 किमी/घंटा है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 1.04 लाख रुपये रखी गई है।

रिवोल्ट RV BlazeX : स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साथ आसान चार्जिंग-रिवोल्ट RV BlazeX उन लोगों के लिए उपयुक्त है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के साथ स्मार्ट फीचर्स भी चाहते हैं। इसमें 3.2kWh की रिमूवेबल बैटरी दी गई है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर आसानी से निकालकर



चार्ज किया जा सकता है। फास्ट चार्जर की मदद से यह बैटरी करीब 80 मिनट में 70 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। बाइक की दावा की गई रेंज 150 किलोमीटर है और इसकी 4kW मोटर 85 किमी/घंटा की टॉप स्पीड प्रदान करती है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये है।

कोमाकी रेंजर : वर्रुजर स्टाइल और आरामदायक सफ़र-यदि आपको वर्रुजर स्टाइल की बाइक्स पसंद हैं, तो कोमाकी रेंजर एक अलग अनुभव दे सकती है। इसमें 3.6kWh का बैटरी पैक दिया गया है, जो फुल चार्ज पर लगभग 250 किलोमीटर तक की रेंज उपलब्ध कराता है। इसकी बैटरी 0 से 90 प्रतिशत तक चार घंटे में चार्ज हो जाती है। बाइक में वर्रुज कंट्रोल, ऑनबोर्ड नेविगेशन और टेलीस्कोपिक सस्पेंशन जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत लगभग 1.31 लाख रुपये है, जो इसे प्रीमियम वर्रुजर श्रेणी में एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

मैटर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल : स्पोर्टी डिजाइन

और हाई-टेक फीचर्स मैटर की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो स्पोर्टी डिजाइन के साथ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी चाहते हैं। यह 5000 और 5000+ वेरिएंट में उपलब्ध है। दोनों मॉडलों में 10kW की मोटर दी गई है, जो बाइक को केवल 6 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा तक पहुंचा देती है। इसकी दावा की गई रेंज 172 किलोमीटर (IDC) है। बाइक में 7 इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले, इन-बिल्ट नेविगेशन, काल कनेक्टिविटी और म्यूजिक

कंट्रोल जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलती हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 1.83 लाख रुपये है।

खरीदने से पहले किन बातों पर ध्यान? इलेक्ट्रिक बाइक खरीदते समय केवल रेंज पर ही ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। आपको बैटरी लाइटी, चार्जिंग इम्प्रूव्मेंट्स, सर्विस नेटवर्क, स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और अपनी रोजमर्रा की यात्रा की जरूरतों को भी ध्यान में रखना चाहिए। यदि आपकी दैनिक यात्रा लंबी है तो अधिक रेंज वाला मॉडल बेहतर रहेगा, जबकि शहर में नियमित उपयोग के लिए कम रेंज वाली लेकिन किफायती बाइक भी अच्छा विकल्प साबित हो सकती है। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के विकल्प तेजी से बढ़ रहे हैं। ओला रोडस्टर X+ सबसे लंबी रेंज के साथ आकर्षित करती है, वहीं रिवोल्ट RV BlazeX स्मार्ट चार्जिंग सुविधा देती है। कोमाकी रेंजर वर्रुजर स्टाइल पसंद करने वालों के लिए बेहतर है, जबकि मैटर इलेक्ट्रिक बाइक प्रीमियम फीचर्स और स्पोर्टी प्रदर्शन के कारण अलग पहचान बनाती है।

एनपीसीआई 'यूनिफाइड एजेंट प्रोटोकॉल' जिससे एआई ऑटोमैटिक छोटे यूपीआई भुगतान कर सकेंगे जानिए कैसे काम करेगी यह नई तकनीक.

डिजिटल वित्तीय लेनदेन के क्षेत्र में भारत एक और नया इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ा है. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) एक ऐसी क्रांतिकारी प्रणाली पर काम कर रहा है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी AI एजेंट्स को आपके लिए छोटे PI भुगतान स्वचालित रूप से करने की अनुमति दे सकती है. इस व्यवस्था के लागू होने के बाद उपयोगकर्ताओं को रोजमर्रा की छोटी-मोटी खरीदारी के लिए हर बार पिन या ओटीपी दर्ज करने की झंझट से मुक्ति मिल जाएगी. 'एजेंटिक पेमेंट्स' नाम की यह तकनीक भारतीय फ़िन्टेक जगत में लेनदेन के तरीके को पूरी तरह बदलकर रख देगी.

यूनिफ़ाइड एजेंट प्रोटोकॉल : कैसे काम करेगी यह नई तकनीक न्यूज़ एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एनपीसीआई इस नई सुविधा के लिए 'यूनिफ़ाइड एजेंट प्रोटोकॉल' नामक एक व्यापक ढांचा तैयार कर रहा है. इसके तहत यूजर अपने एआई एजेंट के लिए पहले से ही नियम और खर्च की सीमा तय कर सकेंगे. उदाहरण के तौर पर, आप यह निर्धारित कर सकते हैं कि आपका एआई असिस्टेंट किराने



का सामान, दूध, या नियमित ई-कॉमर्स ऑर्डर के लिए एक निश्चित राशि तक का भुगतान ख़ुद-ब-ख़ुद कर दे. इसमें उपभोक्ता की वित्तीय सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए ट्रांज़ैक्शन लिमिट और मर्चेंट गाइडलाइंस भी तय की जाएगी.

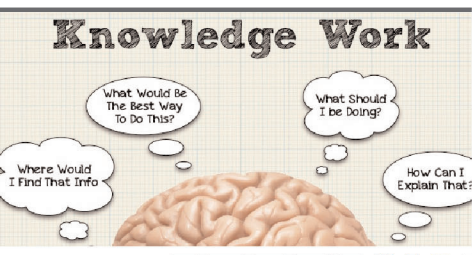
मौजूदा यूपीआई फ़ीचर्स पर आधारित होगी नई प्रणाली

यह नई ऑटोमैटिक पेमेंट व्यवस्था पूरी तरह से नए सिर से बनाने के बजाय यूपीआई के मौजूदा फ़ीचर्स का इस्तेमाल करेगी. इसमें मुख्य रूप से 'UPI Circle' और 'Reserve Pay' जैसे टूल्स

सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए व्यापक प्रेमवर्क पर काम जारी है. प्रणाली में यूजर की पहचान की पुष्टि, खर्च की सीमा, और लेनदेन का पूरा रिकॉर्ड (ऑडिट ट्रेल) शामिल होगा. यदि कोई एआई एजेंट गलती से गलत भुगतान कर देता है या निर्धारित सीमा से अधिक खर्च कर देता है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी- इसे तय करने के लिए एक अलग 'लायबिलिटी प्रेमवर्क' भी तैयार किया जा रहा है.

ग्लोबल फ़िन्टेक फेस्ट में हो सकती है घोषणा

हालांकि एनपीसीआई की ओर से अभी तक इस सर्विस के आधिकारिक लॉन्च या समयसीमा की औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है. लेकिन सूत्रों और रिपोर्टों का दावा है कि मुंबई में आयोजित होने वाले 'ग्लोबल फ़िन्टेक फेस्ट' के दौरान इस महत्वाकांक्षी यूनिफ़ाइड एजेंट प्रोटोकॉल का अनावरण किया जा सकता है. अगर यह व्यवस्था लागू होती है, तो वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय स्तर के पेमेंट इम्प्रूव्मेंट्स पर एआई पेमेंट्स को एकीकृत करने वाला भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो जाएगा.





हम सब जानते हैं कि नारियल का पानी सेहत के लिए बेहद फ़यदेमंद होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि नारियल की मलाई भी आपकी सेहत के लिए किसी सुपरफूड से कम नहीं है? नारियल की मलाई में भरपूर मात्रा में फ़ाइबर, हेल्दी फैट्स, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर को कई तरह से फ़यदा पहुंचाते हैं।

पाचन को बनाए दुरुस्त
नारियल की मलाई पाचन तंत्र के लिए किसी टॉनिक से कम नहीं है। इसमें फ़ाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो आंतों की गति को सही रखती है और भोजन को अच्छे से पचाने में मदद करती है। जिन लोगों को कब्ज, एसिडिटी, गैस या पेट फूलने की समस्या अक्सर रहती है, उनके लिए नारियल की मलाई का सेवन फ़यदेमंद हो सकता

जायका

मसाला चाय और ट्रेस लेचेस का स्वाद का कमाल एक ही केक में

मसाला चाय का स्वाद और ट्रेस लेचेस की नमी दोनों का कमाल एक ही केक में! इस मसाला चाय ट्रेस लेचेस केक को ठंडी फ्रिजिंग के बाद परोसें और चाय की खुशबू और मलाई की richness का लुत्फ उठाएं। यह डेज़र्ट खास मौकों और चाय से प्याक करने वालों के लिए परफेक्ट है।

सामग्री
पानी – 100 मिलीलीटर
दूध – 80 मिलीलीटर
हरी इलायची – 3 कली
लौंग – 2 कली
दालचीनी पाउडर – 1/4 चम्मच
गरम मसाला – 1/4 चम्मच
केसर के धागे – 1/4 चम्मच
अदरक – 1 बड़ा चम्मच
चाय पत्ती – 2 बड़े चम्मच
कंडेंस्ड मिल्क – 60 ग्राम
हवी क्रीम – 50 ग्राम
इवापोरेटेड मिल्क – 200 मिलीलीटर
वनीला स्पॉन्ज केक – 250 ग्राम
लौंग पाउडर –1/4 चम्मच
केसर के धागे – 1/4 चम्मच
सुखे गुलाब के फूल – 1 बड़ा चम्मच



बनाने की विधि

1. एक पैन में 100 मिली पानी, 80 मिली दूध, 3 इलायची, 2 लौंग, 1/4 चम्मच दालचीनी पाउडर, 1/4 चम्मच गरम मसाला, 1/4 चम्मच केसर, 1 बड़ा चम्मच अदरक और 2 बड़े चम्मच चाय पत्ती डालें। हलचल करें और उबाल आने दें।
2. गैस बंद कर दें और चाय मिश्रण को छान लें। 5झू7 मिनट के लिए ढंड़ा होने दें।
3. ठंडी होने पर इसमें 60 ग्राम कंडेंस्ड मिल्क, 50 ग्राम हवी क्रीम और 200 मिली इवापोरेटेड मिल्क डालें। अच्छी तरह फेंटें।
4. 250 ग्राम वनीला स्पॉन्ज केक को एक डिश में रखें और फेर्क से चारों ओर छेद करें। धीरे-धीरे तैयार मसाला चाय मिल्क सोक केक पर डालें। केक को 8झू10 घंटे फ्रिज में रखें ताकि यह अच्छी तरह से सोख ले।
5. ढंडा होने के बाद, केक के ऊपर व्हिड क्रीम की एक परत समाप्त रूप से फैलाएं।
6. ऊपर से लौंग पाउडर, केसर और सुखे गुलाब के फूल डालकर गार्निश करें। 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें।
7. सेट होने के बाद, अपनी पसंद के अनुसार केक के टुकड़े काटें।
8. परोसते समय, चाहें तो कुछ बचा हुआ मसाला चाय मिल्क टुकड़ों के चारों ओर डाल सकते हैं।
9. सर्व करें।

फोड़े-फुसियों और दाग-धब्बों से भरा चेहरा, तो न करें ये गलतियां

हम अपनी त्वचा की देखभाल को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। बाहर की धूल, प्रदूषण, तनाव और अनियमित दिनचर्या का असर हमारी स्किन पर साफ़ दिखाई देने लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हममें से ज्यादातर लोग रोज एक ऐसी सामान्य सी गलती करते हैं, जो धीरे-धीरे हमारी त्वचा को बर्बाद कर रही होती है? ये गलती इतनी मामूली लगती है कि हम इसे गंभीरता से नहीं लेते लेकिन परिणाम इतने खतरनाक हो सकते हैं कि चेहरा दानों, फोड़े-फुंसियों और दाग-धब्बों से भर सकता है। चलिए जानते हैं वो एक आम गलती क्या है, और इससे बचने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं।

वो एक गलती बिना चेहरा धोए सो जाना

बहुत से लोग दिनभर की थकान के बाद सीधे बिस्तर पर चले जाते हैं और चेहरा धोना भूल जाते हैं। यह आदत सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। दिनभर चेहरे पर जमी धूल, पसीना, ऑयल और मेकअप स्किन के पोर्स (रोमछिद्रों) को बंद कर देते हैं। इससे स्किन को सांस नहीं मिलती और बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं, जिससे होते हैं दाने, पिंपल्स, फोड़े और फुंसियां।

इससे होने वाले नुकसान

एक्ने और पिंपल्स की भरमार: बंद पोर्स में गंदगी और तेल जमा होकर पिंपल्स को जन्म देते हैं।

त्वचा का बेजान और रूखा हो जाना: बिना सफ़ाई के सोने से त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खो देती है।

ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स: स्किन पर मृत कोशिकाएं जमा होने लगती हैं जो



ब्लैकहेड्स में बदलती हैं।

त्वचा समय से पहले बूढ़ी दिखने लगती है: नियमित सफाई न करने से झुर्रियां जल्दी आने लगती हैं।

कैसे करें इस गलती से बचाव

सोने से पहले चेहरा जरूर धोएं: माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ़करें, खासकर अगर आपने मेकअप किया है।

वर्लेजिंग करें: मेकअप रिमूवर या नारियल तेल से अच्छी तरह चेहरा साफ़करें।

मॉइश्चराइज करना न भूलें: रात को स्किन को नमी देना बहुत जरूरी है ताकि वह रिपेयर हो सके।

साफ तकिया कवर और बेडशीट का इस्तेमाल करें: गंदे कपड़ों में बैक्टीरिया होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

छोटी-छोटी आदतें हमारे चेहरे की खूबसूरती बनाए रख सकती हैं, लेकिन वही आदतें अगर गलत हों, तो बड़ी समस्या बन जाती हैं। बिना चेहरा धोए सोना एक ऐसी ही आदत है जो धीरे-धीरे आपकी त्वचा को बर्बाद कर सकती है। आज से ही इस गलती को सुधारिए, और अपनी त्वचा को दीजिए वो देखभाल जिसकी उसे जरूरत है। ताकि आप हर दिन दमकते और बेदाग चेहरे के साथ खुद पर गर्व कर सकें।

परंपरा, ऐतिहासिक धरोहर और लोक कथाओं के लिए फेमस मध्य प्रदेश, ट्रैवल करें प्लान

अगर आप भी शहर की भीड़ भाड़ से दूर असली भारत और उसकी जड़ों को जानना चाहते हैं, तो आपको अगले ट्रैवल प्लान में मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों को शामिल करना चाहिए। यहां का इतिहास जीवित है, कला बोलती है और हर मोड़ पर संस्कृति अपनेपन का एहसास दिलाती है।

मध्य प्रदेश को भारत का दिल कहा जाता है। यहां पर सिर्फ शहर नहीं बल्कि कई ऐसे गांव भी हैं, जो आज भी अपनी परंपरा, ऐतिहासिक धरोहर और लोक कथाओं के लिए काफी ज्यादा फेमस हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर की भीड़ भाड़ से दूर असली भारत और उसकी जड़ों को जानना चाहते हैं, तो आपको अगले ट्रैवल प्लान में मध्य प्रदेश की कुछ फेमस जगहों को शामिल करना चाहिए। यहां का इतिहास जीवित है, कला बोलती है और हर मोड़ पर संस्कृति अपनेपन का एहसास दिलाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मध्य प्रदेश की कुछ फेमस

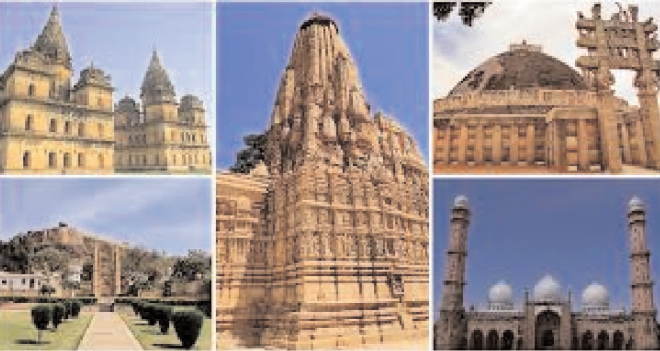
जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मांडू

बता दें कि मांडू को सिटी ऑफ जॉय और सिटी ऑफ लव भी कहा जाता है। इस जगह को राजा बाज बहादुर और रूपमती की प्रेम कहानी ने अमर बना दिया है। मांडू में मौजूद बावड़ियों, महलों और मस्जिदों के खंडहर पर्यटकों को इतिहास के पन्नों में ले जाते हैं। मानसून के समय पर यहां की सुंदरता दोगुनी हो जाती है।

ओरछा

बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा गांव भव्य मंदिरों, रानी महलों और छतरियों के लिए फेमस है। एक समय पर यह गांव बुंदेला राजाओं की राजधानी हुआ करता है। ओरछा का राम राजा मंदिर आज भी अद्वितीय है। यहां पर भगवान श्रीराम को राजा के रूप में पूजा जाता है।



भेड़ाघाट

जबलपुर के पास स्थित भेड़ाघाट सिर्फ अपनी संगमरमर की चट्टानों के लिए नहीं बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। यहां पर बहती नर्मदा नदी और धुआंधार जलप्रपात पर्यटकों को सुकून का एहसास कराते हैं।

चंदेरी

यह गांव अपने पारंपरिक चंदेरी साड़ियों के अलावा अपने

किलों के लिए भी विश्व भर में काफ़ी फेमस है। यहां पर मौजूद पुराने किले, गलियां और मस्जिदें शिल्पकला और इतिहास का अद्भुत मेल दर्शाती हैं। वहीं फैशन की दुनिया में भी चंदेरी का नाम हर जगह पर सुनाई देता है।

अमरकंटक

यह गांव धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टिकोण से काफ़ी महत्वपूर्ण है। इस जगह को ‘नर्मदा उद्गम स्थल’ भी कहा जाता है। यहां पर शिवभक्त को अपनी ओर आकर्षित करता है।

ओंकारेश्वर

बता दें कि नर्मदा नदी के बीच के द्वीप पर ओंकारेश्वर गांव स्थित है। जोकि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक का घर है। यहां पर आप मंदिर, ओंकार पर्वत और घाट देख सकते हैं। जोकि धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक महत्व भी रखते हैं।

मौजूद प्राचीन मंदिर, आश्रम और प्राकृतिक सुंदरता आपको एक अनोखा और आध्यात्मिक अनुभव देता है।

भोजपुर

भोजपुर गांव को राजा भोज द्वारा निर्मित किया गया है। हालांकि यह गांव अपने अधूरे लेकिन भव्य शिव मंदिर के लिए काफ़ी ज्यादा फेमस है। यहां पर स्थित विशाल शिवलिंग भारत के सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक है। जोकि हर

शिवभक्त को अपनी ओर आकर्षित करता है।

ओंकारेश्वर

बता दें कि नर्मदा नदी के बीच के द्वीप पर ओंकारेश्वर गांव स्थित है। जोकि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक का घर है। यहां पर आप मंदिर, ओंकार पर्वत और घाट देख सकते हैं। जोकि धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक महत्व भी रखते हैं।



कई बीमारियां हो सकती हैं दूर, नारियल के पानी ही नहीं, मलाई खाने के भी हैं कई फायदे

है। यह पेट में जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है और डाइजैस्टिव सिस्टम को साफ रखती है। नियमित और संतुलित मात्रा में नारियल की मलाई खाने

से गट हेल्थ यानी आंतों की सेहत बेहतर होती है। इससे न केवल पेट हल्का महसूस होता है बल्कि ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है। अच्छी गट हेल्थ का सीधा असर इम्युनिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इसलिए इसे अपने आहार में शामिल करना पाचन को मजबूत रखने का एक प्राकृतिक और स्वादिष्ट तरीका हो सकता है।

दिल की सेहत के लिए फ़यदेमंद
दिल को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए नारियल की मलाई एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स और न्यूट्रिएंट्स अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने में मदद करते हैं, जो दिल के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है। साथ ही यह खराब कोलेस्ट्रॉल (ऋरु) को कम करने में भी सहायक है, जिससे

धमनियों में चर्बी जमने का खतरा घटता है। नारियल की मलाई का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। जब धमनियां साफ और खुली रहती हैं तो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा काफ़ी हद तक कम हो जाता है। इसलिए दिल की सेहत का खयाल रखने वाले लोग इसे अपने डाइट में सीमित मात्रा में जरूर शामिल कर सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल में मददगार
नारियल की मलाई डायबिटीज के मरीजों या ब्लड शुगर कंट्रोल करने वालों के लिए फ़यदेमंद साबित हो सकती है। इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स और फ़ाइबर भोजन को धीरे-धीरे पचने में मदद करते हैं, जिससे ग्लूकोज का अवशोषण धीरे होता है और अचानक ब्लड शुगर लेवल बढ़ने (शुगर स्पाइक) की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा, नारियल की मलाई शरीर



को लंबे समय तक ऊर्जा देती है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और मीठा खाने की इच्छा भी नियंत्रित रहती है। नियमित रूप से संतुलित मात्रा में इसका सेवन ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद कर सकता है और डायबिटीज के खतरे को

कम कर सकता है।

वजन घटाने में मदद

नारियल की मलाई उन लोगों के लिए फ़यदेमंद हो सकती है जो वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें मौजूद हेल्दी फैट्स शरीर को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे बार-बार भूख लगने की समस्या कम हो जाती है। इससे अनहेल्दी स्नैकिंग और ज्यादा खाने की आदत पर कंट्रोल रहता है और कुल कैलोरी इन्टेक घटता है। नारियल की मलाई मेटाबॉलिज्म को भी तेज करने में मदद कर सकती है, जिससे शरीर ज्यादा तेजी से कैलोरी बर्न करता

है। यह फैट स्टोरेज को कम करने में सहायक हो सकती है और वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकती है। हालांकि, ध्यान रखें कि इसे संतुलित मात्रा में ही खाएं, क्योंकि अधिक मात्रा में फैट का सेवन वजन बढ़ा भी सकता है।

इम्युनिटी को करे मजबूत

नारियल की मलाई में एंटीऑक्सीडेंट्स और हेल्दी फैटी एसिड्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर में हानिकारक फ्री रेडिकल्स को खत्म करने में मदद करते हैं और इन्फेक्शन से बचाव की क्षमता बढ़ाते हैं। नियमित सेवन से सर्दी-जुकाम जैसी आम बीमारियों का खतरा कम हो सकता है और शरीर जल्दी थकान महसूस नहीं करता। मजबूत इम्युनिटी आपको मौसमी बदलाव और वायरल इन्फेक्शन से बेहतर तरीके से लड़ने में मदद करती है।

सही मात्रा में सेवन है जरूरी

हालांकि, ध्यान रखें कि नारियल की मलाई का सेवन सही मात्रा में ही करें क्योंकि इसमें फैट भी मौजूद होता है। ज्यादा मात्रा में खाने से वजन बढ़ सकता है। जिन लोगों को हाट या कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, वे इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

बच्चों के Overweight से दुनिया भर में पेरेंट्स है परेशान,क्या जंक फूड है कारण

वो जमाना और था जब बच्चों को कुपोषण चिंता का विषय होता है, अब तो मोटापा समस्याएं बढ़ा रहा है। आज के समय में जंक फूड, पेकेज्ड फूड्स और शारीरिक गतिविधियों की कमी के चलते बच्चों में अंडरवेट से ज्यादा मोटापे की समस्या देखने को मिल रही है। इस बात का खुलासा यूनिसेफ (UNICEF) की एक रिपोर्ट में हुआ है, जिसमें बच्चों के बढ़ते मोटापे को लेकर अलर्ट किया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य तथ्य
पहले बच्चों में कुपोषण और अंडरवेट होना बड़ी समस्या थी। लेकिन अब बदलती लाइफ़स्टाइल, फ़ैस्ट फूड, मीटे पेय और स्क्रीन टाइम की वजह से बच्चे और किशोर तेज़ी से मोटापे का शिकार हो रहे हैं। 190 से ज्यादा देशों के आंकड़ों के अनुसार 5 से 19 साल के बच्चों में कम वजन की समस्या साल 2000 से लगभग 12 प्रतिशत से कम होकर 9.2 प्रतिशत हो गई है, जबकि मोटापे की दर 3 प्रतिशत से बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो



गई है। अफ्रीका और दक्षिण एशिया को छोड़कर दुनिया भर के सभी देशों में बच्चों का कम वजन से ज्यादा मोटापा है।

क्यों बढ़ रहा है मोटापा?

–जंक फूड और शुगर वाले ड्रिंक्स की खपत बढ़ना।
–कम शारीरिक गतिविधि – बच्चे बाहर खेलों से दूर और स्क्रीन (मोबाइल/टीवी/कंप्यूटर) पर ज्यादा समय बिता रहे हैं।
–अनियमित दिनचर्या और नींद की कमी।
–माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली,

जिससे हेल्दी खाना और एक्टिविटी पर ध्यान कम हो रहा है।

बच्चों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है मोटापा

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल का कहना है कि, "जब कुपोषण की बात करते हैं तो हम सिर्फ कम वजन वाले बच्चों की बात नहीं कर रहे होते हैं, इसमें मोटापे से जूझ रहे बच्चे भी शामिल हैं। मोटापा बच्चों में एक बढ़ती हुई स्वास्थ्य समस्या है, जो बच्चों के स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित

कर सकता है"। उनके अनुसार UNICEF के अनुसार, "बच्चे को ज्यादा वजन वाला या मोटा तब माना जाता है, जब उनका वजन उनकी उम्र, लिंग और कद के हिसाब से हेल्दी वजन से बहुत ज्यादा होता है।

मोटापे से बचाने का समाधान

बचपन में मोटापा बढ़ने से आगे चलकर डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट प्रॉब्लम्स मानसिक तनाव और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों के खाने में सजियां, फ़ल, और हाई-फ़ाइबर फूड शामिल करें। मीठे और तैलीय खाद्य पदार्थ कम दें। रोजाना कम से कम 1 घंटा फ़िजिकल एक्टिविटी (खेल, डांस, साइकिल, योग) करवाएं। स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करें। परिवार खुद हेल्दी लाइफ़स्टाइल अपनाएं, ताकि बच्चे मोटिवेटेड हों। यूनिसेफ का कहना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले सालों में बचपन का मोटापा एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन सकता है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल के जानें पूजन विधि मंत्र जाप और मुहूर्त

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की तिथि 4 सितंबर यानी अर्धरात्रि में 2 बजकर 25 मिनट पर शुरू हो चुकी है, जो कि 5 सितंबर की रात 12 बजकर 13 मिनट पर समाप्त होगी। आज श्रीकृष्ण की पूजा का मुहूर्त रात 11 बजकर 57 मिनट से लेकर 12 बजकर 42 मिनट तक रहेगा, जिसके लिए कुल 45 मिनट मिलेंगे। इसी अवधि में लड्डू गोपाल का जन्म होगा और जन्मोत्सव मनाया जाएगा। भगवान कृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र में हुआ था, इसलिए रोहिणी नक्षत्र, अर्धरात्रि में 12 बजकर 29 मिनट पर लग चुका है और इसका समापन आज रात 11 बजकर 4 मिनट पर होगा।

कृष्ण जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण की पूजा कैसे करें

इस दौरान लड्डू गोपाल को गंगाजल और पंचामृत से स्नान कराकर नए वस्त्र, मुकुट,



मोरपंख और चंदन से श्रृंगार करें। उन्हें झूले में विराजमान कर माखन-मिश्री, धनिया पंजीरी, पंचामृत और फलों का भोग लगाएं। भोग में तुलसी दल अर्पित करना विशेष शुभ माना जाता है। इसके बाद आरती कर प्रसाद बांटें।

इन दिव्य मंत्रों का करें जाप
कृं कृष्णाय नमः कृष्णाय नमः

वली कृष्णाय नमः
नमो भगवते श्रीगीतान्दाय नमः

कृष्ण जन्माष्टमी उपाय

सुख-समृद्धि के लिए जन्मोत्सव के बाद केसर मिले दूध से लड्डू गोपाल का अभिषेक करें।
धन लाभ के लिए श्रीकृष्ण को पान का पत्ता अर्पित करें और अगले दिन उस पर रोली से श्रीयंत्र बनाकर तिजोरी या पर्स में रखें।
वास्तु दोष दूर करने के लिए बांसुरी भगवान कृष्ण को अर्पित कर अगले दिन घर की पूर्व दीवार पर तिरछी लगाएं।
संतान सुख के लिए गाय-बछड़े की तस्वीर लाएं और कांहा को माखन-मिश्री का भोग लगाएं।
विवाह में बाधा आए तो भगवान कृष्ण को हल्दी लगाकर उसी हल्दी का तिलक माथे पर लगाएं।
घर में शांति लाने के लिए मंदिर में मोरपंख अर्पित करें।
आय में वृद्धि के लिए श्रीकृष्ण को 5 मोरपंख और चांदी की बांसुरी अर्पित करें। बाद में बांसुरी को पर्स में रखें।

सार – संक्षेप

सोनिया गांधी की आत्मकथा भारत में 10 नवंबर को छापेगा HarperCollins

नयी दिल्ली। ‘हार्परकॉलिनस इंडिया’ ने शुक्रवार को कहा कि वह कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की आत्मकथा ‘बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव’ भारत में 10 नवंबर को प्रकाशित करेगा। इसके साथ ही, ‘पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया’ के साथ सोनिया के प्रतिनिधियों के ‘गतिरोध’ के बाद देश में पुस्तक के प्रकाशन को लेकर बनी अनिश्चितता समाप्त हो गई है। हार्परकॉलिनस इंडिया ने एक बयान में कहा, ‘‘हमारे समय के सबसे बहुप्रतीक्षित राजनीतिक संस्मरणों में से एक, ‘बिलॉन्गिंग’, प्रेम, पहचान, कर्तव्य और अपनत्व की एक दिलचस्प एवं बेहद निजी कहानी है और यह भारत की यात्रा का एक दुर्लभ अंदरूनी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।’’ ‘‘हार्परकॉलिनस इंडिया’’ की यह घोषणा पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया से जुड़े विवाद के बाद हुई है।

यूपी में बाढ़ से करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के बाढ़ प्रभावित 26 इलाकों से 17,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है और बाढ़ से अब तक किसी भी व्यक्ति या मवेशी की जान जाने की खबर नहीं है। सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, बाढ़ से करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, कम से कम 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है, जबकि 4,847 लोग वर्तमान में राहत आश्रयों में रह रहे हैं। सरकार ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि राज्य भर में कुल 1,312 बाढ़ आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं, जबकि 1,634 बाढ़ चौकियां, 1,697 नावें और मोटरबोट और 1,068 मेडिकल टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तैनात की गई हैं। राहत तंत्र ने प्रभावित लोगों के बीच 72,897 खाद्य राहत पैकेट और 3,67,551 लंच पैकेट वितरित किए हैं।

चीन के शेनझेन में एक उद्यमी ने शरीर खुजाने की सर्विस को बिजनेस बना दिया है. एक घंटे की फीस करीब 4,200

आपने मसाज, स्पा और रिलैक्सेशन सेंटर के बारे में तो खूब सुना होगा, लेकिन क्या कभी किसी को पैसे देकर शरीर खुजलाने की बात सुनी है? यानी किसी की पीठ या शरीर खुजाने की सुविधा भी बाकायदा एक पेड़ सर्विस बन सकती है? दरअसल, चीन में एक व्यक्ति ने नया स्टार्टअप शुरू किया है. इसे सुनकर पहली बार में शायद आपको यकीन ही न हो लेकिन यहां ग्राहक आराम से बिस्तर पर लेटते हैं और प्रशिक्षित कर्मचारी उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को धीरे-धीरे खुजाते हैं. हेरानी की बात यह है कि लोग इसके लिए पैसे भी दे रहे हैं.एक घंटे की इस खास सर्विस की कीमत करीब 300 युआन यानी लगभग 4,200 है. शरीर खुजलाने की एक घंटे की फीस है ?4200 साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट के एक रिपोर्ट के अनुसार यह अनोखा कारोबार 32 वर्षीय झांग शियाओचियाओ ने शुरू किया है. उन्होंने शेनझेंग के बाओआन इलाके में मई 2026 की शुरुआत में

भारतीय कंपनी से 770 करोड़ की डिफेंस डील में गड़बड़ी विवाद के बाद एस्टोनिया के रक्षा मंत्री का इस्तीफा

यूक्रेन को सैन्य मदद पहुंचाने के लिए किए गए एक बेहद संवेदनशील और बड़े रक्षा सौदे में वित्तीय अनियमितता व देरी के आरोपों के बाद एस्टोनिया की राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है। इस मामले की नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी लेते हुए एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हेनो पेक्कुर ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह पूरा विवाद ४70 मिलियन (लगभग 768.50 करोड़) की आर्टिलरी शेल (तोप के गोले) खरीद डील से जुड़ा है। यह सौदा डटली में रजिस्टर्ड और भारतीय मालिकाना हक वाली कंपनी ‘डेटासेल SRL’ के साथ किया गया था। 2022 से एस्टोनिया के रक्षा मंत्री रहे पेक्कुर ने बुधवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि एस्टोनिया के नेशनल ऑडिट ऑफ़िस की कई



आलोचनात्मक रिपोर्टों के बाद, वह इस विवादित खरीद डील की राजनीतिक जिम्मेदारी ले रहे हैं। पेक्कुर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "एस्टोनिया की सुरक्षा किसी एक व्यक्ति का प्रोजेक्ट नहीं है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसीलिए मुझे आज पूरे रक्षा क्षेत्र की राजनीतिक जिम्मेदारी लेनी

चाहिए और सही समय पर रक्षा मंत्री का पद प्रधानमंत्री को सौंप देना चाहिए।" यह विवाद 2024 में एस्टोनिया के ‘सेंटर फ़ॉर डिफेंस इन्वेस्टमेंट्स’ और ‘डेटासेल SRL’

के बीच हुए कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा है। डेटासेल स्क्रूडटली में रजिस्टर्ड कंपनी थी, जिसे उसी साल भारत की ‘नेको डिफेंस म्यूनिशंस’ ने खरीदा था। इन कॉन्ट्रैक्ट्स का मकसद यूक्रेन के लिए आर्टिलरी शेल हासिल करना था, क्योंकि उस समय कीव (यूक्रेन की राजधानी) में गोला-बारूद की भारी कमी थी।

एस्टोनिया के पब्लिक ब्रॉडकास्टर ERR और ‘ईस्टी एक्सप्रेस’ व ‘पोस्टिमेस’ की रिपोर्ट के अनुसार, एस्टोनिया ने इस खरीद के लिए यूरोपीय संघ की ‘यूरोपियन पीस फ़ैसिलिटी’ के फंड का इस्तेमाल किया और कंपनी को लाखों यूरो एडवांस में दिए। कुल एडवांस पेमेंट अंततः लगभग ७70 मिलियन तक पहुंच गया। एस्टोनिया ने अगस्त 2024 में डेटासेल के साथ अपना पहला कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और लगभग 115 मिलियन एडवांस में दिए। अक्टूबर में दूसरा समझौता हुआ, जिसके बाद 10 मिलियन से ज्यादा का एक और एडवांस पेमेंट किया गया। बाद में कई और कॉन्ट्रैक्ट्स के कारण साल के अंत तक कुल एडवांस पेमेंट लगभग ७70 मिलियन हो गया।

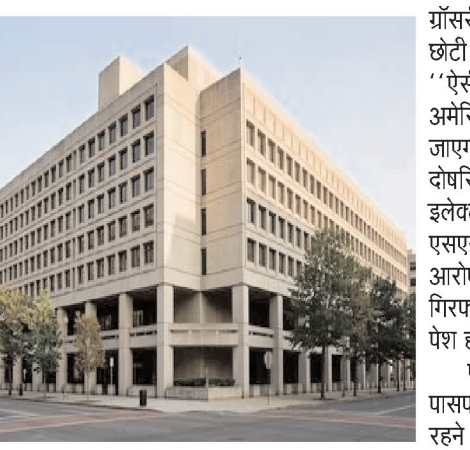
नेपाल बाढ़ के बाद लगातार सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने का सिलसिला जारी है. बाढ़ प्रभावित त्रिशूली-xA हाइड्रोपावर प्रियोजना की सुरंग से शुक्रवार की सुबह एक व्यक्ति को जीवित निकाला गया है. सुरंग में अभी और भी लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है. 4 सितंबर यानी कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सामने आई रेस्क्यू की खबर ने परिजनों के मन में उम्मीद जगाने का काम किया है. राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद और इंजीनियर श्री राम नेउपाने के अनुसार, इन लोगों की पहचान मैकेनिकल फेरमेन संजय साह और मैकेनिकल सुपरवाइजर कबीर महर्जन के तौर पर हुई है. नेउपाने 26 अगस्त को आई बाढ़ के बाद से ही बचाव अभियान में शामिल रहे हैं. दोनों लोगों को एयरलिफ्ट करके काठमांडू ले जाया गया. सेना के अधिकारियों ने बताया कि साह का इलाज छाउनी स्थित बीरेंद्र आर्मी हॉस्पिटल



में होगा, जबकि महर्जन को नेशनल ट्रॉमा सेंटर ले जाया जाएगा. अंदर से आई आवाज, फिर शुरु हुआ बचाव- रेस्क्यू टीम को सुरंग के अंदर से आवाजें सुनाई दी थीं, जिसके बाद वहां फंसे लोगों से संपर्क स्थापित किया गया. टीम ने आवाज लगाकर कहा, "घबराइए नहीं, हम आपको बचाने आए हैं." अंदर से जवाब मिला, "ठीक है." इसके बाद पुष्टि हुई कि सुरंग में एक से ज्यादा लोग मौजूद हैं. 26 अगस्त की प्लेश फलड के बाद से सुरंगों और अन्य जगहों पर फंसे लोगों की तलाश जारी है.

अमेरिका ने सरकारी लाभ योजना में धोखाधड़ी के आरोपी भारतीय मूल के मंजीत सिंह बेदी पर डेढ़ लाख डॉलर का इनाम

वाशिंगटन। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने भारत में जन्मे मंजीत सिंह बेदी को सरकारी लाभ योजना में कथित अनियमितताओं में संलिप्तता को लेकर धोखाधड़ी के सर्वाधिक वांछित आरोपियों की सूची में शामिल किया है। एफबीआई के अनुसार, बेदी की वाशिंगटन के टैकोमा में किराने की एक छोटी दुकान थी और वह पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी) के तहत उनके सरकारी लाभ कार्ड का इस्तेमाल कर ग्राहकों को खाद्य सामग्री देने के बजाय उन्हें नकद राशि देता था।



एफबीआई ने वृहस्पतिवार को कहा कि बेदी एसएनएपी लाभार्थियों को कथित तौर पर खाद्य सामग्री देने के बजाय उनके ‘इलेक्ट्रॉनिक बेंचिफिट ट्रांसफर’ (ईबीटी) कार्ड का इस्तेमाल कर उन्हें नकद राशि देता था और प्राप्त रकम का आधा हिस्सा अपने पास

रखता था। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें एफबीआई ने दावा किया कि अमेरिकी नागरिकता प्राप्त बेदी ने मार्च 2024 से जून 2025 के बीच अमेरिकी सरकार के साथ कम से कम छह लाख अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी की। बेदी की टैकोमा में ‘एशियन

ग्रॉसरी स्टोर’ नाम से किराने की एक छोटी दुकान थी। एफबीआई ने कहा, ‘‘ऐसी सूचना देने वाले को डेढ़ लाख अमेरिकी डॉलर तक का इनाम दिया जाएगा जो बेदी की गिरफ्तारी और दोषसिद्धि में मददगार साबित हो।’’ इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धोखाधड़ी और एसएनएपी लाभ संबंधी धोखाधड़ी के आरोप तय किए जाने के बाद बेदी को गिरफ्तारी से संरक्षण देते हुए अदालत में पेश होने की अनुमति दी गई थी।

एफबीआई ने कहा कि उसे अपना पासपोर्ट जमा कराने और वाशिंगटन में ही रहने का आदेश दिया गया था लेकिन बेदी इसके तुरंत बाद सड़क मार्ग से सीमा पार कर कनाडा चला गया और वहां से भारत फ्फार हो गया। अमेरिका की एक जिला अदालत ने निगरानी की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाए जाने के बाद 21 मई को बेदी के खिलाफ संघीय गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची है. 26 अगस्त को आई इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 1,259 लोगों की मौत की खबर है. द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है, जबकि 5,053 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं. लगातार जारी रेस्क्यू अभियान के बीच मुतकों और लापता लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. तबाह हुए इलाके में जीवन रेखाओं का टूटना आपदा के कारण नेपाल के कई इलाकों में सड़कें, पुल और दूसरी जरूरी सुविधाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं. कई स्थानों पर मलबा जमा होने और संपर्क मार्ग टूटने से राहत टीमों



को पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. प्रभावित इलाकों में लोगों तक भोजन, पानी और जरूरी सामान पहुंचाने का काम भी जारी है. हजारों परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़ इस त्रासदी ने हजारों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है. बड़ी संख्या में लोग अपने परिजनों की तलाश में जुटे हैं. लापता लोगों की तलाश के लिए

बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में अभियान चला रहे हैं. मलबे और दुर्गम इलाकों में खोज अभियान चलाना चुनौती बना हुआ है. इस मानवीय संकट के बीच, सरकार और बचाव दल न केवल जीवन बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, बल्कि प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाने के लिए भी पूरी जात लगा रहे हैं. रेस्क्यू के साथ राहत पर भी जोर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां राहत एवं बचाव अभियान को तेज करने में जुटी हैं. सुरक्षित निकाले गए लोगों को राहत केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है. प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने पर भी जोर दिया जा रहा है.

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसा, हवा में तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम हुए फेल

दिल्ली। 4 अगस्त को फ़्लैट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एयरबस A320 फ़्लाइट (AI 2379) में हवा के बीच (Mid-Air) हुए भीषण हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) की जांच में पुष्टि हुई है कि उड़ान के दौरान विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में अचानक और एक साथ प्रेशर गिर गया था। इसके अलावा, दिल्ली उतरने के बाद किए गए टेस्ट में विमान का पायलट ‘ड्रस टेस्ट’ में पॉजिटिव पाया गया है। 137 यात्रियों के साथ AI 2379



फ़्लाइट के तौर पर उड़ रहा यह विमान ‘ए्लाइट लेवल 360’ पर था, तभी यह घटना हुई। विमान के फ़्लाइट-कंट्रोल सिस्टम ने सबसे पहले ग्रीन हाइड्रोलिक सिस्टम में प्रेशर कम होने का पता लगाया। कुछ ही सेकंड में, ब्लू और येलो हाइड्रोलिक सिस्टम में भी प्रेशर कम हो गया। ऑटोपायलट बंद हो गया और लगातार एक जैसी आवाज (चाइम) सुनाई देने लगी। इसके बाद दो

सेकंड के लिए स्टॉल की चेतावनी मिली। घटना के दौरान विमान की ऊंचाई में काफी उतार-चढ़ाव आया। यह पहले 372 फ़ीट ऊपर गया और फिर अपनी तय ऊंचाई (FL360) से 292 फ़ीट नीचे आ गया। बाद में हाइड्रोलिक सिस्टम ठीक हो गए, जिससे विमान के फ़्लाइट-कंट्रोल हिस्से सामान्य रूप से काम करने लगे। उस समय को-पायलट विमान उड़ा रहा था। उसने

स्थिति को संभालने की कोशिश की, जिसके बाद पायलट-इन-कमांड (PIC) ने कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया। इस घटना में केबिन के अंदर लोग घायल भी हुए। सीट-बेल्ट का साइन बंद होने के कारण, ऊंचाई में अचानक बदलाव के दौरान यात्री और केबिन वरु इधर-उधर उछल गए। दिल्ली में विमान के उतरने के बाद कुल 24 लोगों — 20 यात्रियों और चार केबिन वरु सदस्यों — का इलाज किया गया। मामूली चोटों के इलाज के बाद 20 लोगों को छुट्टी दे दी गई, जबकि गंभीर रूप से घायल चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। विमान के केबिन के कई हिस्सों को भी नुकसान पहुंचा, जिनमें ओवरहेड सीलिंग पैनल, पैसेंजर-सर्विस यूनिट और ओवरहेड-बिन के दरवाजे शामिल हैं। डमरजेंसी-एग्जिट हैंडल और हैंडरेल टूट गए, जबकि टॉयलेट का एक फ़्लिस्वर उखड़ गया और वरु की सीटों के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वावा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

- स्थान-
- नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141
 - सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

मौर्य साम्राज्य परिचय और महत्वपूर्ण घटनाएं

मगध में स्थित दक्षिण एशिया में भौगोलिक रूप से व्यापक लौह युग की ऐतिहासिक शक्ति थी, जिसकी स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने ३22 ई.पू. में की थी। मौर्य साम्राज्य को भारत-गंगा के मैदान की विजय द्वारा केंद्रीकृत किया गया था, और इसकी राजधानी पाटलिपुत्र (आधुनिक पटना) में स्थित थी। इस शाही केंद्र के बाहर, साम्राज्य की भौगोलिक सीमा सैन्य कमांडरों की वफ़्दारी पर निर्भर करती थी, जो इसे छिड़कने वाले सशस्त्र शहरों को नियंत्रित करते थे।

मौर्य साम्राज्य का परिचय

चन्द्रगुप्त मौर्य ने एक सेना खड़ी की, जिसमें चाणक्य की सहायता से, अर्थशास्त्री के लेखक, और ८ में नंदा साम्राज्य को उखाड़ फेंका। 322 ई.पू. चंद्रगुप्त ने सिकंदर महान द्वारा छोड़े गए क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करने के मध्य और पश्चिमी भारत में अपनी शक्ति का विस्तार पश्चिम की ओर किया और ३17 ईसा पूर्व तक इस साम्राज्य ने उत्तर पश्चिमी भारत पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया था। मौर्य साम्राज्य ने तब सेल्यूकस द्व् एक डायडोचस और सेल्यूसीड साम्राज्य के संस्थापक को हराया, जो सेल्यूकिक-मौर्य युद्ध के दौरान, इस प्रकार सिंधु नदी के पश्चिम क्षेत्र को प्राप्त करता है।

मौर्यों के तहत, आंतरिक और बाहरी व्यापार, कृषि, और आर्थिक गतिविधियां वित्,

प्रशासन और सुरक्षा की एकल और कुशल प्रणाली के निर्माण के कारण पूरे दक्षिण एशिया में संपन्न और विस्तारित हुई। मौर्य वंश ने पाटलिपुत्र से तक्षशिला तक ग्रांड ट्रंक रोड का एक अग्रदूत बनाया। कलिंग युद्ध के बाद, साम्राज्य ने अशोक के अधीन केंद्रीकृत शासन की लगभग आधी शताब्दी का अनुभव किया। बौद्ध धर्म के अशोक के आलिंगन और बौद्ध धर्म प्रचारकों के प्रायोजन ने श्रीलंका, उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य एशिया में उस विश्वास के विस्तार की अनुमति दी।

मौर्य काल के दौरान दक्षिण एशिया की जनसंख्या 15 से ३0 मिलियन के बीच आंकी गई है। प्रभुत्व के साम्राज्य की अवधि कला, वास्तुकला, शिलालेखों और उच्चादित ग्रंथों में असाधारण रचनात्मकता द्वारा चिह्नित की गई थी, लेकिन यह भी गंगा के मैदान में जाति के समेकन, और भारत के भारत-आर्यन बोलने वाले क्षेत्रों में महिलाओं के घटते अधिकारों द्वारा चिह्नित की गई थी।

स्थापना-मौर्य साम्राज्य से पहले, नंद साम्राज्य ने अधिकांश भारतीय उपमहाद्वीप पर



क करने के कारण नंदा साम्राज्य एक बड़ा, सैन्य और आर्थिक रूप से शक्तिशाली साम्राज्य था। कई किंवदंतियों के अनुसार, चाणक्य ने नंद साम्राज्य की राजधानी मगध के पाटलिपुत्र की यात्रा की, जहाँ चाणक्य ने एक मंत्री के रूप में नंदों के लिए काम किया था। हालाँकि, नंद वंश के सम्राट धाना नंदा द्वारा चाणक्य का अपमान किया गया था और चाणक्य ने बदला लिये और नंदा साम्राज्य को नष्ट करने की कसम खाई। उसे अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा और एक शिक्षक के रूप में काम करने के

लिए, सीखने के एक उल्लेखनीय केंद्र तक्षशिला गया। अपनी यात्रा के दौरान, चाणक्य ने कुछ युवाओं को एक ग्रामीण खेल खेलते हुए देखा, जो एक लड़ाई का अभ्यास कर रहे थे। वह युवा चंद्रगुप्त से प्रभावित थे और उन्होंने शाही गुणों को देखा क्योंकि कोई व्यक्ति शासन करने के लिए उपयुक्त था। सेना-मैंगस्थनोंज सैन्य कमान का उल्लेख करता है जिसमें पाँच सदस्यों के छह बोर्ड शामिल हैं, (द्व) नौसेना (द्वद्व) सैन्य परिवहन (iii) इन्फैंट्री (i1) कैवलरी कैटेपुलस (1) स्थ डिवीजन (1i) हाथों।

मौर्य काल का प्रशासन-मौर्य युग की मूर्तियाँ साम्राज्य को पाटलिपुत्र में शाही राजधानी के साथ चार प्रांतों में विभाजित किया गया था। अशोकन के संपादकों से, चार प्रांतीय राजधानियों से प्रभावित थे और उन्होंने शाही (पश्चिम में), सुवर्णगिरि (दक्षिण में) और तक्षशिला (उत्तर में) हैं। प्रांतीय प्रशासन का प्रमुख कुमारा (शाही राजकुमार) था, जिसने प्रांतों को राजा के प्रतिनिधि के रूप में शासित किया। कुमारा को महामात्य और मंत्रिपरिषद द्वारा सहायता प्रदान की गई। यह संगठनात्मक संरचना सम्राट और उनके मंत्रिपरिषद (मंत्रिपरिषद) के साथ शाही स्तर पर परिलक्षित होती थी। मौर्यों ने एक अच्छी तरह से विकसित सिक्का खनन प्रणाली की स्थापना की।

बाढ़ के बीच शादी के बंधन में बंधा जोड़ा

फिलीपींस में भीषण बाढ़ के बीच एक जोड़े की अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही हैं। बुलाकान प्रांत के हैगोनॉय कस्बे में लीयन लिपेजा कैलांग और गिल्बर्ट चीको ने कमर तक भरे बाढ़ के पानी के बीच चर्च में शादी की। पानी से भरे चर्च में सफेद गाउन पहने दुल्हन के विवाह मंडप तक पहुंचने और जोड़े के शादी की रस्में निभाने की तस्वीरें सामने आने के बाद यह कहानी तेजी से वायरल हो गई। यह शादी 1 सितंबर को हैगोनॉय स्थित सेंट जॉन द बैप्टिस्ट चर्च में हुई। इलाके में लगातार बारिश और बाढ़ के कारण चर्च का बड़ा हिस्सा पानी में डूबा हुआ था। इसके बावजूद दूल्हा-दुल्हन ने शादी स्थगित करने के बजाय तय कार्यक्रम के अनुसार एक-दूसरे का हाथ थामने का फैसला किया।

कमर तक पानी में चलकर पहुंची दुल्हन शादी की सबसे ज्यादा चर्चा उस तस्वीर की हो रही है जिसमें दुल्हन लीयन सफेद गाउन और हाथों में सफेद फूलों का गुलदस्ता लेकर चर्च के अंदर भरे गंदले पानी से गुजरती नजर आ रही है। चर्च में पानी इतना अधिक था कि कुछ स्थानों पर लोगों की कमर तक पहुंच रहा था। इसके बावजूद शादी में शामिल लोग पानी के बीच खड़े रहे और विवाह समारोह संपन्न हुआ। एक तस्वीर में शादी की अंगुठियां लेकर जा रहा बच्चा भी पानी से भरे चर्च के गलियारे में चलता दिखाई देता है। उसके आसपास भी पानी कमर तक था।



पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 56 RNI/CHHBIL/44259 | छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्म, प्रेम और लोककल्याण का संदेश देता है। उनके श्रीमद्भगवद्गीता में दिए गए उपदेश आज भी मानव जीवन को कर्तव्य, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने और सत्य एवं न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह पावन पर्व हमारी समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें श्री ओपी चौधरी ने मंगलकामना करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का संचार हो तथा प्रदेश में प्रेम, सद्भाव और भाईचारा निरंतर मजबूत हो।



51 दिवसीय परमात्म भक्ति में श्रद्धालुओं ने लिया भक्ति का आनंद

रायपुर। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास 2026 के अंतर्गत जिनकुशल सुरि जैन दादाबाड़ी, एम.जी. रोड में चल रहे 51 दिवसीय परमात्म भक्ति महोत्सव के क्रम में 3 सितंबर को विशेष परमात्म भक्ति कार्यक्रम आयोजित हुआ। रात्रि 8-30 से 9-30 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में भजन गायिका अनुश्री सेठिया ने भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को परमात्म भक्ति से जोड़ा। कार्यक्रम के दौरान दादाबाड़ी का वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक भाव से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भक्तिमय भजनों के साथ परमात्मा के प्रति अपने भाव अर्पित किए। कार्यक्रम के पश्चात लाभार्थी परिवार की ओर से आरती की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजन में सहभागिता की।



शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुजनों के नाम लिखा आत्मीय पत्र

- परिस्थितियाँ किसी बच्चे के सपनों की सीमा तय न करें

स्लेट, तख्ती और चॉक से स्मार्ट क्लास तक पहुँची शिक्षा, लेकिन शिक्षक की भूमिका आज भी सबसे महत्वपूर्ण - मुख्यमंत्री श्री साय

गुरुजनों से आत्मीय आग्रह: अभाव, संकोच या किसी कारण पीछे छूट रहे बच्चे का हाथ अवश्य थामिए शिक्षकों से मिले संस्कार और सीख को बताया अपने जीवन की पूँजी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के गुरुजनों के नाम आत्मीय पत्र लिखकर उन्हें सादर नमन किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्र में अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए बचपन के संघर्ष, उस दौर में शिक्षा प्राप्त करने की कठिनाइयों और आज शिक्षा के क्षेत्र में आए व्यापक बदलाव का भावपूर्ण उल्लेख किया है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया है कि वे प्रत्येक बच्चे के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानें और विशेष रूप से उन बच्चों का हाथ थामें, जो अभाव, संकोच अथवा किसी अन्य कारण से पीछे छूट रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लिखा है कि आज मुख्यमंत्री के दायित्व का निर्वाहन करते हुए जब उन्हें प्रदेश के बच्चों के भविष्य और उनकी शिक्षा से जुड़े निर्णय लेने का अवसर मिलता है, तब अपने बचपन और विद्यार्थी जीवन के वे दिन और अधिक याद आते हैं। जीवन कितना भी आगे बढ़ जाए, अपने शिक्षकों के प्रति आदर और कृतज्ञता का भाव कभी कम नहीं होता।

बगिया के छोटे से स्कूल से शुरू हुआ शिक्षा का सफ़र मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्र में अपने बचपन को याद करते हुए बताया है कि उनका जन्म जशपुर जिले के बगिया गाँव के एक साधारण किसान परिवार में हुआ और गाँव के स्कूल से ही उनकी शिक्षा की शुरुआत हुई। जीवन ने



बहुत छोटी उम्र में उनकी कठिन परीक्षा ली। जब वे लगभग दस वर्ष के थे और चौथी कक्षा में पढ़ रहे थे, तभी पिता का साया सिर से उठ गया। परिवार, खेती और छोटे भाइयों की चिंता कम उम्र में ही उनके जीवन का हिस्सा बन गई। गाँव में पाँचवी तक पढ़ने के बाद आगे की शिक्षा के लिए उन्हें कुनकुरी जाना पड़ा। वहाँ लोयोला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक छोटे से कमरे में रहकर पढ़ाई की। आगे भी पढ़ने की इच्छा थी, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा का क्रम जारी नहीं रख सके। उन्होंने खेती की जिम्मेदारी संभाली और अपने छोटे भाइयों की पढ़ाई को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय गाँव के एक बच्चे के लिए शिक्षा तक पहुँचना आज जितना सहज नहीं था। विद्यालय दूर होते थे, आवागमन के साधन सीमित थे, पढ़ाई के संसाधनों का अभाव था और आर्थिक कठिनाइयाँ भी कई बच्चों के सपनों की राह में बाधा बन जाती थीं।

स्लेट-तख्ती से स्मार्ट क्लास तक :मुख्यमंत्री ने याद किया शिक्षा का बदलता दौर

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विद्यार्थी जीवन और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की तुलना करते हुए कहा कि आज पीछे मुड़कर देखने पर यह सुखद अनुभूति होती है कि शिक्षा की दुनिया कितनी बदल गई है। जिस समय उनकी पीढ़ी ने स्लेट, तख्ती और चॉक से पढ़ाई शुरू की थी, आज उसी छत्तीसगढ़ के बच्चे स्मार्ट क्लास में पढ़ रहे हैं। डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर के ज्ञान तक उनकी पहुँच बनी है और वे विज्ञान एवं आधुनिक तकनीक से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी दूरस्थ अंचलों में विद्यालय तक पहुँचना भी बच्चों के लिए चुनौती हुआ करता था, वहीं आज इन क्षेत्रों में बेहतर विद्यालय, आधुनिक शैक्षणिक संसाधन और नए अवसर बच्चों के द्वार तक पहुँच रहे हैं।

तकनीकी जानकारी दे सकती है, लेकिन शिक्षक ही बच्चे के भीतर आत्मविश्वास जगाता है मुख्यमंत्री श्री साय ने गुरुजनों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीक बच्चों को जानकारी दे सकती है, पुस्तकें उन्हें ज्ञान दे सकती हैं और आधुनिक संसाधन सीखने की राह आसान कर सकते हैं, लेकिन किसी बच्चे के भीतर आत्मविश्वास जगाने, उसके संस्कार गढ़ने, उसकी प्रतिभा पहचानने और उसे एक अच्छा मनुष्य बनाने का सामर्थ्य एक संवेदनशील शिक्षक में ही होता है।

उन्होंने कहा कि उनके अपने जीवन में भी गुरुजनों से मिली सीख ने कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का साहस दिया। यही कारण है कि वे शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाला पथ-प्रदर्शक मानते हैं।

छत्तीसगढ़ में नवसलमुक्त क्षेत्रों में स्कूलों में बजने लगी घंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व नवसल प्रभावित क्षेत्रों में दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद स्कूलों में घंटियाँ बजने लगी हैं, जो इस शिक्षक दिवस पर बस्तर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक बदलाव का प्रतीक है। जहाँ कभी बारूद की गंध और बंदूक की आवाज़ें हुआ करती थीं, वहाँ अब बच्चे राष्ट्रगान गा रहे हैं।

5 सितंबर को देशभर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 'शिक्षक दिवस' की धूमधाम रहेगी। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ का बस्तर और अन्य दूरस्थ अंचल एक नई उम्मीद के साथ मुस्कुरा रहा है। कभी बंदूक के साए और नवसली खोफ़के कारण दशक भर से बंद पड़े स्कूल आज फिर से गुलजार हो चुके हैं। दूर-दराज के गांवों में जब वर्षों बाद फिर से स्कूल की घंटी बजती है, तो वह केवल पढ़ाई की शुरुआत नहीं होती, बल्कि उस क्षेत्र में लौटते लोकतंत्र, शांति और सुरक्षा की गूँज होती है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज मानस मंच लोरमी में सर्व यादव समाज एवं यदुवंशी सेना द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि यादव समाज सनातन संस्कृति और परंपराओं की मजबूत पहचान है। समाज राउत नाचा जैसी समृद्ध लोक परंपराओं को आज भी सहेजकर आगे बढ़ा रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें एकजुटता, प्रेम और उल्लास के साथ अपनी संस्कृति से जुड़े



रहने का संदेश देता है।

जन्माष्टमी उत्सव पर मानस मंच से बाइक रैली निकाली गई। रैली शिवपाट होते हुए लोरमी शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। इसके बाद शीतला मंदिर, बाजारपारा से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो मेन रोड होते हुए मानस मंच पहुंची।

टेक्सटाइल सेक्टर में छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी संभावनाएं, केंद्र करेगा हरसंभव सहयोग

-केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से नई दिल्ली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की मुलाकात -मुख्यमंत्री ने कहा - नई औद्योगिक नीति में टेक्सटाइल को थ्रस्ट सेक्टर का दर्जा, निवेश के साथ बड़े पैमाने पर खुलेंगे रोजगार के अवसर -एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान -नवा रायपुर में टेक्सटाइल यूनिट्स की स्थापना को मिल रही गति, सेंट्रल इंडिया के प्रमुख टेक्सटाइल हब के रूप में उभरेगा छत्तीसगढ़ -NIFT से आधुनिक तकनीक और डिजाइन को मिलेगा बढ़ावा, चांपा के कोसा सहित छत्तीसगढ़ की समृद्ध वस्त्र परंपरा को मिलेगा नया बाजार

-केंद्रीय वस्त्र मंत्री ने तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को राज्य की नई औद्योगिक

विकास नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को दिए गए विशेष प्रोत्साहनों तथा इस क्षेत्र में आ रहे निवेश की जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और अपैरल मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने तथा आधुनिक तकनीक, डिजाइन और नवाचार को राज्य के पारंपरिक वस्त्र कौशल से जोड़ने को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल सेक्टर के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में टेक्सटाइल सेक्टर को थ्रस्ट सेक्टर के रूप में शामिल किया है। इसके अंतर्गत इस क्षेत्र में निवेश करने वाले



बताया कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति का प्रमुख उद्देश्य निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना है। इसी दृष्टि से एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। टेक्सटाइल और अपैरल उद्योग श्रम आधारित होने के कारण बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष रोजगार

उद्यमियों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन एवं अनुदान का प्रावधान किया गया है। इन प्रावधानों के परिणामस्वरूप प टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है और प्रदेश में नई इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि नवा रायपुर अटल नगर में टेक्सटाइल क्षेत्र की नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिल रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि यहां केवल उत्पादन इकाइयां ही स्थापित न हों, बल्कि टेक्सटाइल एवं अपैरल क्षेत्र का एक समग्र इको-सिस्टम विकसित हो, जिसमें डिजाइन, उत्पादन, कौशल विकास, आधुनिक तकनीक और बाजार की सुविधाएं एक-दूसरे से जुड़ी हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग की विशेषता यह है कि अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के साथ इसमें महिलाओं और युवाओं के लिए भी व्यापक अवसर उपलब्ध होते हैं। इस क्षेत्र में निवेश बढ़ने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और सहायक उद्योगों तथा स्थानीय उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। नई नीति के इन प्रावधानों से छत्तीसगढ़ टेक्सटाइल निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

नवा रायपुर में आकार ले रहा टेक्सटाइल मैनुफैक्चरिंग इको-सिस्टम

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि नवा रायपुर अटल नगर में टेक्सटाइल क्षेत्र की नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिल रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि यहां केवल उत्पादन इकाइयां ही स्थापित न हों, बल्कि टेक्सटाइल एवं अपैरल क्षेत्र का एक समग्र इको-सिस्टम विकसित हो, जिसमें डिजाइन, उत्पादन, कौशल विकास, आधुनिक तकनीक और बाजार की सुविधाएं एक-दूसरे से जुड़ी हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग की विशेषता यह है कि अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के साथ इसमें महिलाओं और युवाओं के लिए भी व्यापक अवसर उपलब्ध होते हैं। इस क्षेत्र में निवेश बढ़ने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और सहायक उद्योगों तथा स्थानीय उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

'धान से गेंदा की खेती की ओर बढ़े आनंद राम, 0.400 हेक्टेयर में कमाया 3.96 लाख रुपए

'गांव के अन्य किसान भी हुए प्रेरित' रायपुर। धान की खेती करने वाले किसान आनंद राम ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और परामर्शमय गेंदा क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फूल की खेती की। इससे उन्हें लगभग 44 किंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ और बिक्री से 3 लाख 96 हजार रुपये की आय हुई।

लैंगुला विकासखण्ड के ग्राम-कोइकेल निवासी किसान आनंद राम सिदार पहले अपने खेत में धान



की खेती करते थे। 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में धान से उन्हें लगभग 10 किंटल उत्पादन प्राप्त होता था, जिसे बेचने पर करीब 3.1 हजार रुपये की आय होती थी। विभिन्न लागतों को घटाने के बाद उनका कुल लाभ लगभग 22 हजार रुपये रहता था।

जन्माष्टमी पर रायगढ़ में जगह-जगह महाभंडारे वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने ग्रहण किया प्रसाद



रायगढ़ संस्कारों, संस्कृति और मूल्यों की राजधानी है, यहां पर्व-त्योहारों में दिखती है सेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना : वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर रायगढ़ शहर में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा महाभंडारे और निःशुल्क भोजन शिविर आयोजित किए गए। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी इन आयोजनों में शामिल हुए और श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही प्रसाद वितरण में भी सहभागिता की।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए कहा कि जन्माष्टमी का पर्व रायगढ़ में बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। रायगढ़ संस्कारों, संस्कृति और मूल्यों की राजधानी है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ में हर पर्व, उत्सव, सनातन परंपरा और



आध्यात्मिक आयोजन को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाने की परंपरा रही है।

श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ की विशेषता यहां की सामाजिक सहभागिता और सेवा भावना है। लोग समाज सेवा और एक-दूसरे से जुड़ने की भावना के साथ बड़े हृदय से आगे आते हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर शहर में जगह-जगह भंडारे आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न एसोसिएशन, सामाजिक संगठन और समाज के लोग मिलकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को श्रद्धा और उल्लास के साथ मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सनातन परंपरा की जीवंतता के साथ-साथ समाज में सेवा, समरसता और आपसी भाईचारे की भावना को भी मजबूत करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सभी प्रदेशवासियों पर बनी रहे और हर घर में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो, यही मंगलकामना है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर रायगढ़ सहित समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
FREE
Home Delivery
With in 3 K.M.
9788-4011912
VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at
Chopatri Civic Centre Bhilai
Near Chandulal Chandrakar Hospital,
Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

नवसलमुक्त क्षेत्रों में शिक्षा की नई भोर

छत्तीसगढ़ में नवसलमुक्त क्षेत्रों में स्कूलों में बजने लगी घंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व नवसल प्रभावित क्षेत्रों में दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद स्कूलों में घंटियाँ बजने लगी हैं, जो इस शिक्षक दिवस पर बस्तर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक बदलाव का प्रतीक है। जहाँ कभी बारूद की गंध और बंदूक की आवाज़ें हुआ करती थीं, वहाँ अब बच्चे राष्ट्रगान गा रहे हैं।



5 सितंबर को देशभर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 'शिक्षक दिवस' की धूमधाम रहेगी। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ का बस्तर और अन्य दूरस्थ अंचल एक नई उम्मीद के साथ मुस्कुरा रहा है। कभी बंदूक के साए और नवसली खोफ़के कारण दशक भर से बंद पड़े स्कूल आज फिर से गुलजार हो चुके हैं। दूर-दराज के गांवों में जब वर्षों बाद फिर से स्कूल की घंटी बजती है, तो वह केवल पढ़ाई की शुरुआत नहीं होती, बल्कि उस क्षेत्र में लौटते लोकतंत्र, शांति और सुरक्षा की गूँज होती है।